निदेशक डेस्क

जैसा कि आप सभी जानते हैं, व्यावहारिक प्रशिक्षण बोर्ड, पूर्वी क्षेत्र, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय है और इसने 32 से अधिक उभरते क्षेत्रों में विभिन्न उद्योगों और प्रतिष्ठानों में बी.ए., बी.एससी., बी.कॉम आदि सामान्य धाराओं में नव उत्तीर्ण स्नातक और डिप्लोमा इंजीनियरों, स्नातकों और डिप्लोमा धारकों को शिक्षुता प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने व्यावहारिक दृष्टि से छात्रों के कौशल घटक को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

यद्यपि यह योजना भारत सरकार के वजीफे पर आधारित है, लेकिन इसके पीछे मुख्य उद्देश्य नए उत्तीर्ण पात्र विद्यार्थियों के कौशल का विकास करना है, जिन्होंने स्नातक स्तर की पढ़ाई के दौरान किसी औद्योगिक अनुभव से गुजरना नहीं किया। उत्तीर्ण छात्रों को आगे आकर इस योजना की सुविधाओं का लाभ उठाना चाहिए ताकि वे नौकरी के बाजार में खुद को अधिक रोजगार योग्य बना सकें। इस योजना के तहत प्रदान किया जाने वाला एक वर्षीय प्रशिक्षण एक वर्ष के कार्य अनुभव के बराबर है, जिससे उन्हें विभिन्न नौकरियों, विशेषकर सरकारी नौकरियों में बेहतर प्रवेश मिल सके। वजीफा दर में संशोधन पर शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भी सक्रियता से विचार किया जा रहा है और इससे छात्रों में व्यापक स्तर पर प्रोत्साहन आने की उम्मीद है।

विशाल युवा आबादी वाला देश होने के नाते, भारत सरकार ने जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाते हुए प्रतिभाशाली कुशल जनशक्ति की आबादी तैयार करने के लिए 'कौशल विकास मिशन' की शुरुआत की है। इस पृष्ठभूमि में बीओपीटी (ईआर), कोलकाता की भूमिका बहुत बढ़ गई है और इसने इस उभरते संदर्भ में अपनी गतिविधियों में विविधता ला दी है। राष्ट्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण योजना (एनएटीएस) वेब पोर्टल पूरी तरह से लागू हो गया है और छात्रों, संस्थानों और उद्योगों के नामांकन की पूरी गतिविधियों को विशेष रूप से ऑनलाइन कर दिया गया है। इसके अलावा, शिक्षुता प्रशिक्षण के लिए नामांकित छात्रों का चयन और नियुक्ति तथा स्थापनाओं द्वारा वजीफे की प्रतिपूर्ति भी एक विशेष ऑनलाइन गतिविधि बन गई है। यह NATS पोर्टल पूर्वी क्षेत्र में शिक्षु अधिनियम के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने में एक प्रभावी आभासी मंच के रूप में काम करेगा।

बीओपीटी ने 2025-26 के लिए एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है जिसमें निम्नलिखित कार्यक्षेत्र शामिल हैं:

1. 150 हजार से अधिक शिक्षुओं की नियुक्ति
2. एआई – अप्रेंटिसशिप 25 हजार से अधिक
3. 3 हजार से अधिक शिक्षुओं को NATS का मूल्यांकन और क्रेडिटीकरण
4. 50 से अधिक पाठ्यक्रमों में AEDP का कार्यान्वयन

इस वर्ष भी, हमने पूरे वर्ष अपनी योजना और गतिविधियों का प्रसार करने के लिए 'कार्य योजना और कार्यक्रम कैलेंडर, अप्रैल 2025 – मार्च 2026' विकसित किया है। आगामी दिनों में की जाने वाली गतिविधियों का विवरण इस कार्यक्रम कैलेंडर में विस्तार से दिया गया है, ताकि इच्छुक छात्र, स्थापना और हमारे टीपीए भागीदार भी इस प्रयास में शामिल हो सकें।

डॉ. एस.एम. एजाज अहमद
निदेशक